# ॥ सारे जहाँ से अच्छा गीत ॥

Chalisamantras.com

सारे जहाँ से अच्छा हिंदुस्ता हमारा,
हम बुलबुलें हैं इसकी ये गुलिस्तां हमारा ।

गुर्बत में हों अगर हम, रहता है दिल वतन में,
समझो वहीं हमें भी दिल है जहाँ हमारा ।

परबत वह सबसे ऊँचा, हम्साया आसमाँ का,
वह संतरी हमारा, वह पासबाँ हमारा ।

गोदी में खेलती हैं इसकी हज़ारों नदियाँ,
गुल्शन है जिनके दम से रश्क ए जनाँ हमारा ।

ऐ आब ए रूद ए गंगा, वह दिन हैं याद तुझको,
उतरा तेरे किनारे जब कारवाँ हमारा ।

मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना,
हिन्दी हैं हम, वतन है हिंदुस्ता हमारा ।

यूनान ओ मिस्र ओ रूमा सब मिट गए जहाँ से,
अब तक मगर है बाक़ी नाम ओ निशाँ हमारा ।

कुछ बात है कि हस्ती मिटती नहीं हमारी,
सदियों रहा है दुश्मन दौर ए ज़माँ हमारा ।

इक़्बाल कोई महरम अपना नहीं जहाँ में,
मालूम क्या किसी को दर्द ए निहाँ हमारा ।

सारे जहाँ से अच्छा हिंदुस्तान हमारा,
हम बुलबुलें हैं इसकी ये गुलिस्तां हमारा ।

Chalisamantras.com